मत्स्य पालकों की आय दुगुनी करने के लिए उत्तम प्रबंधन प्रणाली पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

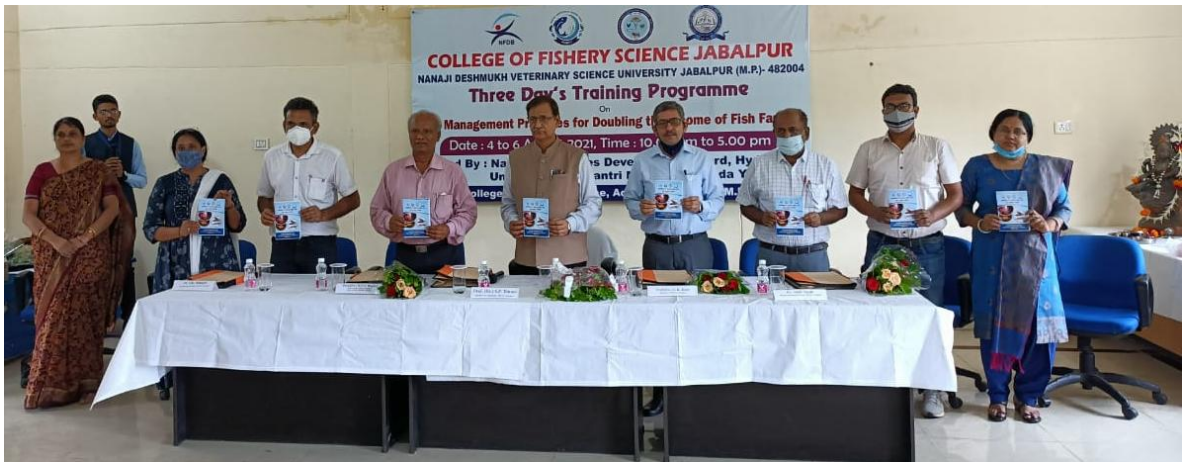

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के अंतर्गत मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर में एक दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम **"मत्स्य पालकों की आय दुगुनी करने के लिए उत्तम प्रबंधन प्रणाली"** पर आयोजित किया गया । जो कि प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अंतर्गत हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (एन.एफ.डी.बी.) द्वारा पोषित किया गया यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) सीता प्रसाद तिवारी जी के मुख्य आतिथ्य में उनकी प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से आयोजित किया गया। माननीय कुलपति द्वारा कहा गया कि प्रदेश में मत्स्य पालन की अपार संभावनाएं है। जिससे प्रदेश में किसानों को आर्थिक सम्बल मिलेगा और मत्स्य पालन के द्वारा बहुत रोज़गार नवयुवकों को प्राप्त हो सकेगा। प्रशिक्षण से किसानों को काफी फायदा मिलेगा। जिससे वे अपनी आय बढ़ा सकते हैं। कार्यक्रम के उद्घाटन में सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता संकाय एवं महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर. पी. एस. बघेल द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया। डॉ. माधुरी शर्मा द्वारा कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया गया । इस अवसर पर कुलपति जी द्वारा प्रशिक्षण विषय पर आधारित पत्रक का विमोचन भी किया गया एवं उसे किसानों को वितरित किया गया। अतिथियों का आभार प्रदर्शन डॉ. प्रीति मिश्रा द्वारा किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जबलपुर जिले के विभिन्न हिस्सों से आये हुये लगभग 25 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के तकनीकि सत्र में विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए। जिसमें सुनील नायक, सीफी, पॉवरखेड़ा सेण्टर जल संवर्धन का महत्त्व एवं जल संवर्धन की आधुनिक तकनीके एवं मछली एवं मछली के बीज के लिए परिवहन प्रबंधन सैद्धांतिक व्याख्यान इसके पश्चात् डॉ. प्रीति मिश्रा द्वारा स्वच्छ जलीय आर्थिक महत्त्व की कुछ प्रमुख प्रजातियां का सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक व्याख्यान एवं डॉ. सोना दुबे द्वारा मछली एवं मछली के बीज के लिए परिवहन प्रबंधन प्रायोगिक व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मत्स्य पालकों को मछली पालन के द्वारा अपनी आय

में वृद्धि करना, मछली पालन के दौरान आने वाली विभिन्न समस्याओं का समाधान करना तथा मछली की विभिन्न प्रजातियों का एक ही तालाब में पालन एवं प्रबंधन पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया । जिससे मत्स्य पालक को मछली पालन में ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सके। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानो के लिए काफी सारगर्भित रहा। जिसे किसान भी उसे अपने रोजगार के रूप में अपना सकते है । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेष सहयोग मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के शिक्षण सहयोगियों श्री शिव मोहन सिंह, श्री मुकेश कुमार, मिस प्रियंका गौतम, मिस शिवानी पाठक, श्री प्रतीक तिवारी, छात्र श्री शुभेंदु द्विवेदी, श्री सुजीत रॉय एवं महाविद्यालय के समस्त कर्मचारीगणों का रहा । इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. माधुरी शर्मा, सहायक प्राध्यापक एवं सह-समन्वयक डॉ. प्रीति मिश्रा, सह प्राध्यापक रहीं ।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर